Udaya Public School, Ayodhya
Half Yearly Examination 2024-25
Class: XII Subject: Hindi Core (302)

Time: 3 Hours **MM: 80**

Instructions: सभी प्रश्न करने अनिवार्य है, प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख दिए गए है |

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। (10)

आधुनिक समाज में मनुष्य की सोच सिर्फ़ स्वयं तक ही सीमित हो गई है। नैतिकता सिर्फ़ दूसरों को उपदेश देने की वस्तु बनकर रह गई है। आज मनुष्य स्वयं को लाभ पहुँचाने के लिए सभी प्रकार के छल-प्रपंचों का सहारा लेता है। दैनिक जीवन में मानवीय व्यवहार के अंतर्गत एक अत्यधिक महत्त्वपूर्ण गुण सत्य बोलने संबंधी है, जिससे सामाजिक व्यवस्था एवं मानवीय संबंध निर्बाध रूप से निरंतर प्रगतिशील रह सकें, लेकिन एक समय अपनी सत्यवादिता को निभाने वाले राजा हरिश्चंद्र के अतुलनीय त्याग की कल्पना करना भी अब दुर्लभ है, वैसा वास्तविक व्यवहार तो असंभव है। हमारे समाज के निर्माताओं ने सामाजिक मूल्यों में सत्य बोलने को इतना महत्व इसलिए प्रदान किया, ताकि मनुष्य अंतःक्रिया करने वाले दूसरे मनुष्यों के साथ छल-कपट न कर सके, समाज के अन्य सदस्य यथार्थ से वंचित एवं भ्रम के शिकार न रहें। यह सामाजिक व्यवस्था को न केवल सुचारु ढंग से परिचालित करने में सहायक है, बल्कि इन सामाजिक मूल्यों के माध्यम से समाज अपने सदस्यों को त्याग करने एवं परहित को ध्यान में रखने की भी सीख देता है। यह सामाजिक मूल्यों को और उच्च स्तरीय बनाने एवं गरिमा प्रदान करने का भी कार्य करता है। कहा जा सकता है कि सत्य बोलना एक कुंजी अर्थात् आधारभूत सामाजिक मूल्य है, जिससे अन्य सामाजिक मूल्य अंतर्संबंधित हैं।

इसके ठीक विपरीत झूठ बोलना सबसे बड़ा व्यक्तिगत एवं सामाजिक दुर्गुण है। झूठ बोलना एक प्रकार की चोरी है, जिसमें किसी की दृष्टि से तथ्यों को छिपाया जाता है। यह लोगों को न केवल वास्तविकता से दूर रखता है, बल्कि भावी परिणाम के प्रति भी सतर्क होने से वंचित करता है, जिसके परिणामस्वरूप व्यापक स्तर पर समाज एवं दूसरे सदस्यों को क्षति होती है। यह व्यक्ति एवं सामाजिक दोनों स्तरों पर अत्यधिक नुकसानदायक एवं कष्टदायी होता है। यह सामाजिक स्तर पर किया जाने वाला सर्वाधिक नकारात्मक व्यवहार है, क्योंकि इसका प्रभाव वर्तमान के साथ-साथ भविष्य पर भी अत्यंत गंभीर रूप से पड़ता है। झूठ बोलने के कारण व्यक्ति कभी भी वास्तविकता से परिचित नहीं हो पाता, परिणामस्वरूप वह न तो उसे परिवर्तित करने के लिए कोई प्रयास कर पाता है और न ही संभावित दुष्परिणामों के प्रति सतर्क हो पाता है।

इसलिए कहा गया है कि झूठ बोलने से बड़ा कोई पाप नहीं है। 'पाप' इस अर्थ में कि यह हमें दिग्भ्रमित करके वांछित कर्त्तव्यों से वंचित रखता है। झूठ या असत्य कथन ही बुराइयों की जड़ है। दुनिया में आने वाले किसी बच्चे द्वारा सबसे पहला गलत कार्य झूठ बोलना ही है और यहीं से उसमें भावी अनैतिकताओं एवं अपराधों की नींव पड़ती है, इसलिए कहा जाता है कि झूठ बोलना सभी पापों का मूल है।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए

(क) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए। (1)

1. आजकल लोग दूसरों को ही नैतिकता का उपदेश देना जानते हैं।
2. दैनिक जीवन में कभी-कभी असत्य बोलना भी पाप नहीं है।
3. झूठ बोलना चोरी नहीं, बल्कि एक प्रकार की कला है।
4. लगातार सत्य बोलने से सामाजिक स्तर गिरने लगता है।

गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(i) केवल 1 (ii) केवल 2 (iii) 2 और 3 (iv) 1 और 4

(ख) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'झूठ' के संदर्भ में असत्य है? (1)

(i) यह व्यक्तिगत तथा सामाजिक दुर्गुण है। (ii) इसमें तथ्यों को स्पष्ट किया जाता है।

(iii) यह लोगों को वास्तविकता से दूर रखता है। (iv) यह व्यक्ति और सामाजिक दोनों स्तरों पर नुकसानदायी है।

(ग) 'झूठ बोलने से बड़ा कोई पाप नहीं है', ऐसा कहने का क्या कारण हो सकता है? (1)

(i) झूठ व्यक्ति अपने हित के लिए बोलता है (ii) झूठ हमें दिग्भ्रमित करके वांछित कर्त्तव्यों से वंचित रखता है

(iii) झूठ सामाजिक बुराइयों को जड़ से समाप्त करता है (iv) झूठ का वास्तविकता से पर्दा हटाया जा सकता ह

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

(घ) मानवीय व्यवहार का अत्यंत महत्त्वपूर्ण गुण किसे माना गया है? (1)

लघु उत्तरीय प्रश्न

(ङ) हमारे समाज के निर्माताओं ने सामाजिक मूल्यों में सत्य वाचन को अत्यधिक महत्त्व क्यों दिया है? (2)

(च) झूठ को सभी पापों का मूल क्यों कहा गया है? (2)

(छ) आधुनिक समाज में नैतिकता कहाँ तक सीमित हो गई है और क्यों? (2)

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए।

हो दोस्त या कि वह दुश्मन हो,
हो परिचित या परिचय-विहीन
तुम जिसे समझते रहे बड़ा
या जिसे मानते रहे दीन
यदि कभी किसी कारण से
उसके यश पर पड़ती दिखे धूल,
तो सख़्त बात कह उठने की
रे, तेरे हाथों हो न भूल।
मत कहो कि वह ऐसा ही था,
मत कहो कि इसके सौ गवाह,
यदि सचमुच ही वह फिसल गया
या पकड़ी उसने गलत राह,
तो सख़्त बात से नहीं स्नेह से
काम ज़रा लेकर देखो,
अपने अंतर का नेह
अरे, देकर देखो।

कितने भी गहरे रहें गर्त,
हर जगह प्यार जा सकता है,
कितना भी भ्रष्ट जमाना हो,
हर समय प्यार भा सकता है,
जो गिरे हुओं को उठा सके,
इससे प्यारा कुछ जतन नहीं,
दे प्यार उठा पाए न जिसे
इतना गहरा कुछ पतन नहीं।
देखे से प्यार भरी आँखें
दुस्साहस पीले होते हैं
हर एक धृष्टता के कपोल
आँसू से गीले होते हैं।
तो सख़्त बात से नहीं
स्नेह से काम ज़रा लेकर देखो,
अपने अंतर का नेह
अरे, देकर देखो।

बहुविकल्पीय प्रश्न

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए

(क) प्रस्तुत काव्यांश में कवि ने किस पर प्रकाश डाला है? (1)

(i) प्रेम की शक्ति पर (ii) गलत राह पर चलने वाले व्यक्ति पर (iii) व्यक्ति के जीवन पर (iv) आम आदमी की शक्ति पर

(ख) दी गई सूची-I का सूची-II से सुमेलन कीजिए। (1)

सूची-1	सूची-II
A. परिचय-विहीन	1. हृदय का प्रेम
B. अंतर का नेह	2. जिसका कोई अता-पता न हो
C. दुस्साहस पीले होते	3. गलत कार्य करने वाले डर जाते हैं

कूट

	A	B	C		A	B	C		A	B	C		A	B	C
(i)	3	1	2	(ii)	1	3	2	(iii)	1	2	3	(iv)	2	1	3

(ग) 'अपने अंतर का नेह अरे, देकर देखो' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है? (1)

(1) अतिशयोक्ति (ii) उत्प्रेक्षा (iii) उपमा (iv) अनुप्रास

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

(घ) गलत राह पर चल रहे व्यक्ति को सही राह पर लाने के लिए कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए? (1)

लघु उत्तरीय प्रश्न

(ङ) प्रेम की शक्ति के बारे में कवि की क्या धारणा है? (2)

(च) अंतर का स्नेह बाँटने से व्यक्ति के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है? (2)

खंड 'ख' अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए। (6)

(क) बेटियों की आवश्यक होती शिक्षा (ख) "वृक्ष मनुष्य के सच्चे हितैषी हैं" (ग) फैशन का बढ़ता चलन

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए। 4x2=8

(क) जनसंचार का कौन-सा आधुनिक माध्यम सबसे पुराना है? इसकी शुरुआत कैसे हुई?

(ख) संपादकीय लेख किसे कहते हैं?

(ग) विशेष रिपोर्टिंग तथा विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर बताइए।

(घ) पत्रकारिता की भाषा में 'बीट' क्या है? बीट रिपोर्टिंग के लिए क्या-क्या तैयारी करनी पड़ती है?

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए। 2x4=8

(क) टी.वी. खबरों के विभिन्न चरण कौन से है? स्पष्ट कीजिए

अथवा

'बड़े शहरों में जीवन की चुनौतियाँ' विषय पर आलेख लिखिए।

(ख) समाचार लेखन का आशय स्पष्ट करते हुए उसके छः ककारों पर प्रकाश डालिए। अथवा रेडियो और टेलीविजन समाचार की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए।

खंड 'ग' पाठ्य-पुस्तक आरोह भाग-2 व वितान भाग-2

6. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

हम दूरदर्शन पर बोलेंगे
हम समर्थ शक्तिवान
हम एक दुर्बल को लाएँगे
एक बन्द कमरे में
उससे पूछेंगे तो आप क्या अपाहिज हैं?
तो आप क्यों अपाहिज हैं?

आपका अपाहिजपन तो दुःख देता
होगा, देता है?
(कैमरा दिखाओ इसे बड़ा-बड़ा)
हाँ तो बताइए आपका दुःख क्या है
जल्दी बताइए वह दुःख बताइए।
बता नहीं पाएगा।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए

(क) काव्यांश में अपाहिज को दूरदर्शन पर ले जाने वाले लोग कैसे हैं? (1)

(i) संवेदनशील (ii) दयालु (iii) संवेदनहीन (iv) कर्त्तव्यनिष्ठ

(ख) दूरदर्शन वाले अपाहिज व्यक्ति से कैसे प्रश्न पूछते हैं? (1)

(i) उसकी पीड़ा उभारने वाले (ii) उसको पीड़ा से मुक्त कराने वाले (iii) उसको संतोष प्रदान करने वाले (iv) उसको धैर्य बँधाने वाले

(ग) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए। (1)

कथन (A) दूरदर्शन पर विकलांग व्यक्ति का इंटरव्यू नहीं, बल्कि उसका मजाक उड़ाया जाता है।

कारण (R) वस्तुतः दूरदर्शन वालों का उद्देश्य अपाहिज व्यक्ति की विकलांगता का व्यावसायिक लाभ उठाना होता है।

(i) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(ii) कथन (A) गलत है, कारण (R) सही है।

(iii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(घ) "हम समर्थ शक्तिवान" पंक्ति में 'हम' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? (1)

(i) कवि के लिए (ii) कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ता के लिए (iii) उच्च वर्ग के लिए (iv) अपाहिज व्यक्ति के लिए

(ङ) कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ता किसे कैमरे पर बड़ा बड़ा करके दिखाने को कहता है? (1)

(i) अपाहिज व्यक्ति की कुछ न कह पाने या रोने की स्थिति को (ii) प्रस्तुतकर्ता के हाव-भाव को (iii) अपाहिज व्यक्ति के अंग को

(iv) अपाहिज व्यक्ति के वास्तविक दुःख को

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए।

(क) दिन के जल्दी-जल्दी ढलने से क्या प्रेरणा मिलती है? (3)

(ख) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए कि कविता संवेदनहीन सूचना प्रसारण तंत्र पर एक व्यंग्य है। (3)

(ग) आप कैसे कह सकते हैं कि कवि ने 'पतंग' कविता में बाल- सुलभ साहस एवं आकांक्षाओं का सुंदर चित्रण किया है? (3)

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए। (2x3=6)

(क) कविता और फूल दोनों खिलते हैं, किंतु कविता और फूल के खिलने में क्या अंतर हो सकता है?

(ख) 'उषा' कविता के आधार पर उस जादू को स्पष्ट कीजिए, जो सूर्योदय के साथ टूट जाता है।

(ग) 'मैं अपने मन का गान किया करता हूँ - 'आत्मपरिचय' कविता के माध्यम से कवि की भावनाओं को स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पर्द्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है- नाम है लछमिन अर्थात् लक्ष्मी, पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्बह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है, पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं। केवल जब नौकरी की खोज में आई थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्त के साथ यह भी बता दिया, पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।

(क) किसकी दशा अपने नाम से बिल्कुल मेल नहीं खाती थी? (1)

(i) लेखिका की (ii) भक्तिन की (iii) जेठानी की (iv) सास की

(ख) 'अनामधन्या गोपालिका की कन्या' संबोधन किसके लिए प्रयोग किया गया है? (1)

(i) धन की देवी (ii) महादेवी (iii) भक्तिन (iv) लेखिका

(ग) लेखिका के अनुसार किसको अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है? (1)

(i) भक्तिन को (ii) दरिद्र व्यक्ति को (iii) महादेवी को (iv) ये सभी

(घ) दी गई सूची-I का सूची-II से सुमेलन कीजिए (1)

सूची-I	**सूची-II**
A. हनुमान जी से स्पर्द्धा	1. हनुमान जी की तरह ही सेवा-भाव
B. अनामधन्या गोपालिका	2. भक्तिन की माता
C. शेष इतिवृत्त	3. संपूर्ण वर्णन

कूट

	A	B	C		A	B	C		A	B	C		A	B	C
(i)	3	1	2	(ii)	1	3	2	(iii)	1	2	3	(iv)	2	1	3

(ङ) भक्तिन द्वारा अपना असली नाम किसी को नहीं बताने का क्या कारण था? (1)

(i) नाम की गुणवत्ता का असर उसके जीवन में कहीं भी दिखाई नहीं देना (ii) नाम अच्छा न होना

(iii) विमाता की ईर्ष्या-द्वेष का होना (iv) समाज से अपनी सच्चाई छिपाना

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए।

(क) लक्ष्मी के भक्तिन बनने की प्रक्रिया मर्मस्पर्शी क्यों है? अपने शब्दों में उत्तर दीजिए। (3)

(ख) "बाज़ार एक प्रकार से सामाजिक समता की भी रचना कर रहा है।" पाठ 'बाज़ार दर्शन' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (3)

(ग) 'पहलवान की ढोलक' कहानी में प्रयुक्त पंक्ति "कफन की क्या ज़रूरत है" से क्या अभिप्राय है? (3)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए।

(क) 'भक्तिन' रेखाचित्र पितृसत्तात्मक समाज की मान्यताओं पर किस प्रकार प्रश्न चिह्न अंकित करता है? (3)

(ख) लेखक ने कैसे बाज़ार को मानवता के लिए विडंबना माना है? (3)

(ग) लुट्टन सिंह पहलवान की दी गई शिक्षा-दीक्षा पर पानी क्यों फिर गया? स्पष्ट कीजिए। (3)

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

(क) 'सिल्वर वैडिंग' के कथानायक "यशोधर बाबू एक आदर्श व्यक्तित्व हैं और नई पीढ़ी द्वारा उनके विचारों को अपनाना ही उचित है"। इस कथन के पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिए। (5)

(ख) 'जूझ' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए (5)

(ग) यशोधर बाबू जीवन में नए और पुराने के द्वंद्व में फंस गए हैं, आपके विचार से उन्हें क्या करना चाहिए और क्यों ? (5)